www.pangi.in
अब अंग्रेजी, हिन्दी त पंगवाड़ी भाषा अन्तर असी।

तुबारि

Issue - 098,
August. 2020

इस मेहने तुबारि संस्करण तुसी हरालण जे अस सुआ खुश असे। छने पढ़ुण जे एन्हि कथाई त कविताई पुठ चिकिण दिए। वापिस इस पन्ने पुठ एण जे पन्ने पड्डे दुतो विषय सूची पुठ चिकिण दिए। धन्यवाद

क्र.	विषय सूची	पृ.
1	कोरोना बीमारी बुछ गभुरु पढ़ाई त बडी के जिम्मेबारी	2
2	कत पारस लौते	5
3	खास बोके	11
4	कागी के खेलुण	12
5	चुटकले	13
6	लखे टके बोक	14

कोरोना बीमारी बुछ गभुरु पढ़ाई त बडी के जिम्मेबारी

आजकणे टेम ईं पेहले कदी नेई भुओ, खास कर कइ स्कूले गभुरु जोई। सोब स्कूल कॉलेज बन्न असे, लॉकडाउन लगोरा असा, होर चोहरो कना कोरोना बिमारी डर फैलो असा। जेन्के गी गभुर असे, से ई बोउ सुआ परेशान असे, ना सिर्फ अपु कामकाजे लिए, बल्कि गभुर के भविष्य लिए, तेन्के पढ़ाई जे बर्बाद भुण लगो असी। दिन भई खेलण, टी वी हेरण, होर ईएर ओवर डलण बिशुण अचेली गभुर घटी गो असे। ई बोउ बिचारे लेहरी कइ त लियारी दी दी कइ तेन्हि समझाणे कोशिश कते, पर गभुर पुठ असर कुछ ना केता। त ई बोउ होर गीहे जे बि बोडे असे, तेन्हि की करूण चहिए? कीं कइ गभुर समझाण होर पढणे लिखणे लिए हिम्मत देण?

पेहला असी ई समझुण लौतु कि गभुर नासमझ असे। तेन्हि हर बोक समझाण एंती। सुआ ई बोउ लेहरी कइ ईं समझान्ते, होर केही केही मड कइ त डराई कइ समझान्ते। पर किस कि सकूल आजकल बन्न असे, से गभुर बि

दिमाखी तौर पुठ तंग भोई गो असे। त तेन्हि लेहरी कइ जड़काणे बदले, प्यार जोई बोक कर कइ समझैइए लौते।

विषय सूची

<u>दोकी बोक:</u> तेन्के टाईम टेबल बणाण। जीं बिएशु लाणे टेम धिक गड़बड़ भुआल त चूरि दूध सुसुर ना देन्ति, तिहांणि बगैर टाईम टेबले, गभुर कदी अराम जोई बिश ना सकते। से उलटुयाती कते त तुसी जगरेरी छते। टाईम टेबल बणाणे टेम गभुर जोई साते बणाए। ना सिर्फ पढ़णे लिखणे टाईम टेबल, बल्कि भ्यागे उंघ केआं खड़रणे, टी वी मोबाईल हेरणे त खेलणे कूदणे टाईम टेबल बी। किस कि बगैर टाईम टेबले गभुर जी बगैर पुहाले ढड्ड़ केईं भुन्ते।

<u>टेकी बोक:</u> ई जरूरी नेई कि रोज के रोज गभुर कुछ नोउ शिचुण। अगर स्कूले पढ़ाणे syllabus हेरते त आधा साल त तेन्के Revision करण अन्तर घेन्ता। त जे गभुर चौथी पढ़ गो असु, तस जरुरी नेई कि पांजमी क्लासे पढ़ाई करीण। इस लॉकडाउने टेम पुठ जरूरी असु कि चौथी क्लासे कताव Revision करीण। किस कि तुस बोडे जाणते कि पढ़ेण आदत अगर छूट घियेल त दुबारी पढ़णु कतु औखु लगतु। त बेशक स्कूल कॉलेज बन्न असे, तुस पढ़णे आदत ना छड़े चाहे से रोज यक या दुई घन्टे बि भोल, जरूर पढ़ण लिखण जे टाईम किढ़े।

आजकले टेम अन्तर मोउं लगतु कि 'पढ़णे लिखणे' बंटी 'शिचालण' सुआ सुसुर लगतु। किस कि पढ़ाई लिखाई सिर्फ कागज कलम अन्तर भुन्ती, पर शिचालुण हर जगाई भोई सकतु।

विषय सूची

त तुस अपु गभुर से सोब बोक शिचालिण दिए, जे तुसी लगतु कि जिन्दगी अन्तर कम एन्ती, जीं कि रौठि बणाण, ऊने केतीण, बनेन बणाण, बेशु लाण, झिणे धूण, बोडी के इज्जत करणी बगैरा बगैरा।

अखिरि बोक: अपफ बी सुधरीण दिए। गभुर हमेशा बोडी हेर कइ नकल कते. होर सलाह नेण जे बोडी हेरते। त किस कि से अब चोबी घन्टे तुसी जोई साते असे, त तुस बि सुआ समौझि कइ बिशे। अपु खराब आदत, जे तुस ना चहन्ते कि तुं गभूर बि करे, तेसे करण केआं अपु अपफ रोके। ना त, गभुर कदी पता ना चलता कि ईं बोक करण अब्बल नेई, या ईं करण ठीक नेई। अगर तुस तेन्हि सलाह देन्ते, पर अपफ तेस पुठ अमल ना कते, त गभुर पुठ कोई असर ना भुन्ता।

कोरोना बीमारी बारे गभुर शिचालण सुआ सुआ जरूरी असे, ताकि से अपफ सुरक्षित रख बटियेल होर साफ सफेई पुठ ध्यान दियेल। हें देशे भविष्य इन्हि गभुर के हथ असा, अगर अस तेन्हि सुसुर बत शिचालते त हें देशे सुहलियत भुन्ति घेन्ति। याद रखे ई बोउ बणुण मनखे मर्जी नेई, ए यक खास जिम्मेबारी असी, भगवान केआं यक होरी पीढ़ी बणाण जे, जीं लिखो असु कि "हेरे, गभुर ईश्वरे दुतो वीरासत असे, कोके फल परमेश्वरे केआं मेओ ईनाम असा।"

विषय सूची

कत पारस लौते?

चन्द्रभागा दरियोए ओत यक देहर थिया। देहर अन्तर यक कना बिट्ठल भगवाने मूर्ति थी त होर कना रखमा देवी मूर्ति थी। रखमा देवी यक सचा भक्त थिया, जेस नउ परसा भगत थियु। तसे देहेर अन्तर बिट्ठल भगवाने अगर//भोंर हजारों भक्त मन्था टेकण जे एन्तेथ, पर परसा भक्त तेन्हि जुओई कोइ सरोकार ना थिया। होर से मेहणु बि तेस कना ततु हेरते ई नेओथ। परसा रखमा देवी सिर्फ यके भक्त थिया। से दुई चोउरु घरी पन्तई कम कर कइ जत बि टेम बचन्ताथ, से रखमा देवी देहर अन्तर भजन-कीर्तन करण बिताई छताथ।

परसे भक्ती हेर कइ रखमा देवी झठ खुश भोई गई। यक रोज रखमा देवी परसे धे पारस घोड़ दी कइ बोलु, "परसा, इसे बेलि तें गरीबी दूर भोई घेन्ती।" परसा खुशी खुशी जुओई गी एई गा। तोउं तेन पारस घोड़ अपु जुएली हराली कइ बोलु, "मोउं रखमा देवी वर मेई गा, ईए हेर! ओह ए त यक घोड़ भो। एस अन्तर अत खुश भुणे की बोक असी।" तसे जुएली बोलु। "जगरीए! ए कोई मामुली घोड़ ना भो। पारस घोड़ भो। गा, यक कोई बि लोहिए भान्ड घिन आई। तोउ चमत्कार हरालता।" परसे जुएली कमलि झठ लोहिए भान्ड घिन आई। परसे तेस भान्ड जुओई पारस घोड़ छुआ त से भान्ड सुन्ने बणी गोउ।

विषय सूची

"ए में बोउआ कि बे, ए सुन्ने बणी गऊ ना?" तेस जुएली उछीड़ कइ बोलु। "आँ, पर पारस घोड़े बारे केसे जेईं जे न बोलुण।" परसे अपु जुएली खरी समझाई छई। "अच्छा!" कमलि मगरी हिलाई।

तिएस केआं खड़ी परसे सोब गरीबी खत्म भोई गई। परसा रोज रोज लोहिए भान्ड पारस घोड़ छुआई कइ सुन्ने बणांता त बाजार नी कइ बेचताथ, त गीहे सामान घिन एन्ताथ। पेहले कमलि हमेशा परसे जे बोती रेहंतीथ, "तु पुरा दन भइ भजन-कीर्तन अन्तर बरबाद कता।" पर अब तसे गुणगान कती कती न थकींती।

अब सुखी भोई कइ परसे मन भजन-कीर्तन केआं मठे मठे दूरीण लगी गा। पेहले से चौचा घन्टे देहर अन्तर बिशताथ। अब से घन्टे, आधे घन्टे अन्तरे ईं रखमा देवी पूजा पाठ कर कइ गी पेंठ एन्ताथ।

यक रोजे बोक भुओ। कमलि पुओणी भरण जे चन्द्रभागा दरियोए ओत गई।

धाणि त तसे जुएली केआं अब सते बंटी अठ फेरे लवाण चाहिए। सत फेरे तेन्के व्याहे, अठुं जे फेरा असा, से कुई जे लवाण चहिए कि से कुई बचान्ते त तेस पढ़ान्ते ।

विषय सूची

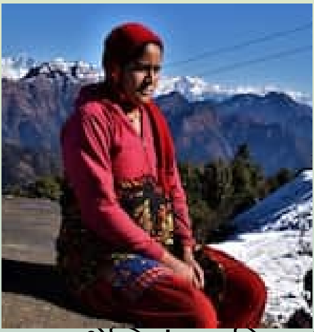

तेठि तेस नामदेवे जुएली रामदेई मेई गई। रामदेई मुहँ उदास ईं थियु। किछ भुड़कते भुड़कते से पुओणी भरण लगो थी। कमलि तसे भेएड़ गई त तेस केआं पुछु "की भु बारा, भेणिए! तु किस भुड़कण लगो असी, सोब ठीक ठाक असु ना" रामदेई बोलु, "ठीक ठाक से बि एन्के ईं भक्ते गी ना? भेणिए दन रात अठो पहर बिट्ठल बिट्ठल बोते रेहंते। गीहे त रत्ती बइ बि चन्त नेई। अउं दन रात झणे सीन्ती, तोउं जाई कइ गीहे रोटि के गुजारा भुन्ता। कदी कदी कम न मेतु त फाके बि लग घेन्ते। बस मरण दे में राम कहाणी, तु अपु शुणा।"

कमली खुश भोई कइ बोलु, "असी कोई ईं दुख तकलीफ नेई। रखमा देवी हें एन्के धे पारस घोड़ दुतो असा। आ आ भेणिए, अगर चाहे त तु बि नी सकती। तसे बेलि लोहिए भान्ड सुन्ने बणाई कइ तोउं वापस दी छड़। किस अति मुसिबत अन्तर बिशो असी।" कमलि केआं पारस घोड़ नेण रामदेई **कउंच भुण लगी**, पर फि तेन सोचु कि गरीबी रोलुण त रोज रोज असु। किस ना थोड़े रोज सुख जुओई जीऊं। तोउं तेन कमलि केआं पारस घोड़ मगी छड़ा।

पारस घोड़ गी आण्ह कइ रामदेई गीहे लोहिए हर यक भान्ड जुओई पारस घोड़ छुआ त सोब सुन्ने बणाई छड़े। तेस अन्तरा यक दुई भान्ड तेन बाजार बेचे त सुआ खाणे पीणे समान घिन आई।

विषय सूची

जिखेईं नामदेव गी आ त तेस गीहे हालात बदलिए नजर एण लगो असे। त अटी अन्तरा बि अब्बल अब्बल खांजे बणाणे मुश्क अओ थी। तोउं अन्तर घेई कइ तेन अपु जुएली जे बोलु, "कि बे रामदेईए? गीहे हालात बदले नजर एण लगो असे, बे आज। कि बारा तें हथ कोई पारस घोड़ त ना लगा?

"आँ जी, पारस घोड़ेए मेओ असा। पर हें ईं किस्मत कोठि असे। से त मेओ असा परसे भगत। से बि रखमा देवी कृपाई बेलि। रामदेई हशाश छई कइ सोब बोक बोल छेई। तोउं नामदेवे बोलु, "एस जुओई असी की लेण देण असु? जे बिट्ठल भगवाने दुतो असु, असी तेसे अन्तर खुश रेहण चहिए।" रामदेई बोलु, "चुप बश तु। बिट्ठल भगवाने हेन्धे सिर्फ दुख तकलीफे सिवा होर की दुतो असु? मेईं त परसा भगते पारस घोड़ मगी कइ आण्तो असा। तेसेरी चमत्कारे बेलि हें घर बि चमको असा।"

"हेरुं त भला, पारस घोड़ कीं भुन्ता?" नामदेवे बोलु। रामदेई नामदेवे समाणि लोहिए भान्ड पुठ पारस घोड़ रखा त भान्ड सुन्ने बणी कइ चमकण लगु। "ओहो, ए रखमा देवी त असी माया चकर अन्तर फसाण लगो असी" नामदेव भुड़का। से तिखेईं खड़ भुआ त पारस घोड़ टाई कइ चन्द्रभागा दरियो अन्तर फटाई आ। तोउं रामदेई पता लगा त से सुआ दुखी भोई गई। हेउस कमलि अपु पारस घोड़ नेण जे आई।

विषय सूची

रामदेई बड़ी मुश्किल जुओई डरते डरते बोलु "पारस घोड़ त में धाणि चन्द्रभागा अन्तर फटाई छड़ा।" अतु

शुणु दे त कमलि जोरी जोरी रोलुण लग गई। नामदेवे गी तीं हल्ला भोई गा। परसे जपल पता लगा त से लेहरी कइ ग्या देन्ता देन्ता नामदेव ठेई ठेई तोपुण लगा। तोउं तेस नामदेव चन्द्रभागे ओत रेत पुठ बिशो, भजन लांते मेईया।

नामदेव हेर कइ, परसे लेहरी कइ बोलु, "बोडा भक्त बणता। होरी चीज हड़पी कइ अब मंजीरा बजाण लगो असा ना? अन्हा देवता, टुंटा पुजारा। अपु भक्त केआं चोराई कइ, चुपचाप तमाशा हेरण लगो असा।"

नामदेवे परसे शान्त कते कते बोलु, "भगवान जे किस ग्या देन्ता? मेईंए से पाणि अन्तर फटाओ असा। से असी माया अन्तर फसाण लगो थिया।"

"किछ बि भोल, मोउं अपु पारस घोड़ वापस लौता" परसे बोलु।

"अच्छा अच्छा अभेईं ए देन्ता।"

ईं बोल कइ नामदेवे पाणि अन्तर डुबकी लाइ। तेन पाणि अन्तर आंजल भरी घोड़ कढ़े त बोलु, "पिछाण सकता ना, इन्हि अन्तरा तें पारस घोड़ कोउं जेईं भो।"

"एस अन्तर की ओखू असु? अभेईंए पता लगी घेन्ता।" ईं बोल कइ परसे अपु चाना लोहिए चीयकू कुढ़। तोउं तेन नामदेवे आंजल अन्तर यक घोड़ टाता त चीयखू पुठ रगड़ा से चीयखू सुन्ने बणी गऊ।

विषय सूची

“होरे घोड़ी बि त परख महाराज!” नामदेवे हसते हसते बोलु। तोउं परसे यक यक घोड़ परखा। से ईं हेर कइ हैरन भोई गा कि नामदेवे आंजल भरी सोब घोड़ पारस घोड़ थिए। परसे लाज लग गई त तेन लाजेईं कइ बोलु, “महाराज, मोउं माफ कर। मेईं आज तकर तुस पिछाणे नऊ। जेस बिट्ठल भगवाने भक्त ईं असा, त तेस भगवाने मायाई बारे की बोलुण? अउं धने लालच अन्तर भटीक गो थिया। मेन्धे भक्ती वरदान दिए।”

नामदेवे परसा टाई कइ अपु कियाड़ी जुओई ला त बोलु, "भक्ति चाहे बिट्ठले करे, चाहे रखमा देवी करे। पर जपल बि भक्ति करे त सुखे ख्याल छड़ कइ सचे मन जुओई प्रभु याद करियेल त से जरुर एन्ता। फि कोई जेईं दुखी न रेहंता।”

खास बोके

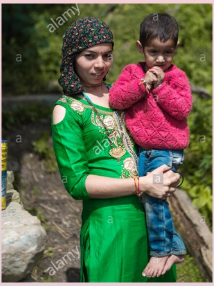

ईया केआं बध कइ कोऊं प्यार कइ सकता ना? दुनिये सोबी केआं अमीर मेहणु बि ईए बगैर गरीब असा। से त असर असा ईए दुआ प्रार्थना अन्तर, न त अत सुख कोठि थिया इस ब्यार अन्तर। हालाते अगर जपल जुवान बि सात न देन्ती, पिछाण छती चुपचाप बिशो गभुरु हर दुख दर्द से सिर्फ ई भुन्ति। ईए बोउए जति जरुरत असी मठड़ियार भुन्ति, तती तेन्हि हें जरुरत स्याणि कइ भुन्ति। बगैर कतबी जे पढ़ाई शिचिंती तेस जे जिन्दगी बोते। मुस्कराण शिचुण एन्तु, रोलुण त जमते ईं एई घेन्तु। ई बोउ भले ईं अनपढ़ किस न भोल, पर शिक्षा त संस्कार देणे, जे समझ तेन्हि अन्तर भुन्ति, से दुनिये केसे बि स्कूल अन्तर न भुन्ति। यक जिल्हाणु कुआ जन्म देणे लिए अपु सुन्दरता बिगाड़ छती। पर सेईंए कुआ यक अब्बल जुएली लिए अपु ईया बिसरी छता।

केसेरी मजबूरी पुठ न हसे, किस कि कोई मजबूरी खरीद कइ न अण्हता। डरे बकते मार केआं, किस कि बुरा बकत बताई कइ ना एन्ता।

अक्ल जति बि तेज भोल, पर बगैर किस्मते जीत न सकता। बीरबल कत बि अक्लदार किस न थिया पर से कदी बादशाह ना बणी बटा।

विषय सूची

यक घोड़ सिर्फ यक लिंगि देहर घेन्ता त भगवान बण घेन्ता। इन्सान हर रोज देहर घेन्ता फि बि घोड़ ईं बणी घेन्ता।

जिन्दगी अन्तर अस हर जगाई जीतुण चहांते, सिर्फ फियुड़ू बाड़े दुकान ईं असी, जेठि अस बोते कि हार लौता, किस कि अस भगवान केआं जीत न सकते।

कागी के खेलुण

ई बोक बोड़ी भारी पुराणि भो। यक दिरेयोए ओते बठ यक ग्रां थी। तेस ग्रां अंतर सुआ काग बी थिए। यक रोज से सोब काग पोणि जोई खेलण लगे।

अजगते पोणी यक छल्हारे यक काघोली पोणी अंतर बोहाई छई। सोब कागी जिखेईं पता लगा त से ती लियरी देण लगे। तेन्ही लागु कि काघोली केनी मछली खाई त ना छई। तेठि सोब तेसे याद अन्तर रोलुण लगे। “ई न करें” तेन्हि अन्तर केनी जेईं बोलु। “अस त समुन्दर कियां ज्यादा ताकती बाड़े असे। किस न अस सोभ जेईं समन्दर अपु अपु ठुगी अन्तर कर कड़ होर कना पुजते।” सोबी बोलु “आँ लिया।” अस इस समुन्दर भै छड़ाई कड़ रेहन्ते।” ई सोब बोके शुण

कड़ समन्दर देव मन अन्तर हसण लगा। तेन हसाणी हसाणी यक छलारा लंघा कि से सोब काग बोही गे।

विषय सूची

तुबारि मासिक पत्रिका

- तुबारि मासिक पत्रिका ई उम्मीद करुं लगो असे कि एण बाड़े रोज अन्तर सुआ मेह्णु इस कम अन्तर साथोट देन्ते।
- इस तुबारि मासिक पत्रिका समाचार पत्र एक्ट अन्तर रिजिष्ट्रि नेई भो। सिर्फ पांगी घाटि अन्तर पढ़ुं जे त भाषाई सुहलियत करण जे इ पत्रिका शुरु किओ असी।
- तुबारि यक अवाणिज्यिक पत्रिका भो।
- तुबारि पत्रिका कोई मेह्णु] जनज़ाति] त संस्कृति गलती कढ़ेण जे नेई छपाण लगो। अगर कोई ईं सोचता बि त अस जिम्मेबार नेई।
- छपाणे पेहले सोब आर्टिकल दुई टाई पांगेई मेह्णु हरालो असे। इ त खुली बोक असी कि पेहलि बार पांगवाड़ि लिखणे सुआ मुशकिल भुन्ति त गलती बि भुन्ति। अगर कोई लिखणे गलती असी त असी जे जरूर बोले। त अस तसे होरे संस्करण पुठ ठीक करणे कोशिश कते।
- आर्टिकल्स ना मिएल, या घाटि मेह्णु के साथोट ना मिएल त तुबारि पत्रिका कदी बि बंद भुई सकती।
- कोई चीज छपां असी या नेई छपां जे तुबारि संपादकीय टीमे पुरा अधिकार असा।
- अस किलाड़ केन्द्रीय पुस्तकालय, त बजार हरिराम लाले दुकान अन्तर तुबारि ड्रॉप बॉक्स पुठ बि अपुं सझाव ओर अर्टिक्लस रखुं जे सुविधा किओ असी।
- अस सोबी पांगी मेह्णु जे हात जोड़ कइ अनुरोध कते कि तुस बि कोई अछा अर्टिक्ल पुराणि या नोई कथा, कहावत, कविता, त नोई घीत (पांगवाड़ी अन्तर लिख कइ छपां जे हेंघे दिए।

तुबारि संपादकीय टीम

9418429574
9418329200
9418411199
9418904168
9459828290

चुटकले

यक चिड़िया घर अन्तर यक कुआ हथी भेएड़ खड़ खड़ थिया।
तसे बोउए बोलु, “कोईया, हथी केईया दूर भुओ।
कुआ- “बोउआ, चिन्ता न कर।
अउं हथि किछ ना कता।”

यक बन्दर बुटे पुठ चढ़ा त बुटे पुठ बुठो गौले बोलु “तु किस चढ़ा?”
बन्दर - सियाऊ खांण जे चढ़ो असा।
गौला इ त आमे बुटा भो।
बन्दर :- मोउं पता असा, सियाऊ त मेई अपफ साते आह्णतो असु।

विषय सूची

लखे टके बोक

अपफ हेरी बिशे! तुस मेह्णु हरालण जे धरमे कम न करे। न त तुसी अपु स्वर्गे बोउ केआं कोई फल न मेता। तोउं त, जपल बि तुस केस गरीब केधे दान दियेल त सोबी जे प्रचार न करे, जीं कपटी मेह्णु देहर, ग्राओंट अन्तर त दुआ-रोड़ी कते, ताकि मेह्णु तेन्के इज्जत करियेल। अउं तुसी जे बोता कि तढ़ि फल तेन्हि मेईं बि गो असा।

पर जपल तुस दान करियेल त तुं यक हथे देण, होरे हथ पता न लगो लौता, ताकि तुं दान नियको रेहाल। तोउं तुं स्वर्गे बोउ जे नियोक कइ सम्हाई कुछ हेरता, से तेन्धे तसे फल देन्ता।

बीमार होने से अपनी और दूसरों की रक्षा करें

अपने हाथ धोएं

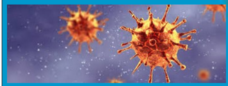

- खाँसने या छींकने के बाद
- बीमार व्यक्तियों की देखभाल करते हुए
- भोजन तैयार करते समय, उससे पहले व बाद में
- भोजन करने से पहले
- शौचालय का प्रयोग करने के बाद
- जब हाथ गंदे हों
- पशुओं और उनके मल-मूत्र के सम्पर्क में आने के बाद

World Health Organization

विषय सूची